कानपुर में हर महीने बनने लगीं पांच हजार असॉल्ट राइफलें

तकनीक

50 हजार से ज्यादा राइफलें अब तक सेना को दी जा चुकी हैं | **600** गोलियां एक मिनट में बरसाने वाली एके-203

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। एक मिनट में 600 गोलियां बरसाने वाली पहली स्वदेशी असॉल्ट राइफल एके-203 की सेना को आपूर्ति शुरू हो गई है। यह इंसास की जगह लेगी। स्माल आर्म्स फैक्ट्री कानपुर में हर महीने पांच हजार असॉल्ट राइफल एके-203 बनने भी लगी हैं। अब तक 50 हजार से ज्यादा राइफलें भारतीय सेना को दी जा चुकी हैं। आठ साल में पांच लाख असॉल्ट राइफलों की सप्लाई होनी है। एसएएफ में पार्ट्स बनने के बाद देश की पहली स्वदेशी असॉल्ट राइफल की असेंबलिंग अमेठी स्थित ऑर्डिनेंस फैक्ट्री कोरवा में हो रही है। रूस और भारत के ज्वाइंट वेंचर आईआरआरपीएल के साथ बन रही एके-203 असॉल्ट रायफल का पूरी तरह से स्वदेशीकरण हो गया है।

एके-47 से ज्यादा एडवांस

एके-203 असॉल्ट राइफल एके-47 से ज्यादा एडवांस है। इसकी मारक क्षमता भी अधिक है। एके-47 की मैगजीन क्षमता 20 से 30 राउंड की है जबकि एके-203 की 30 राउंड की है।

एके 47 की खासियत

- इसकी लंबाई 875 मिमी है
- मैगजीन में 20 राउंड होते, बढ़ भी सकते हैं

एके-203 का वजन 4.3 किलो

- एके-203 फोर्डेबल और एडजस्टेबल है, जबकि एके-47 में फोर्डेबल सुविधा नहीं है
- एके-203 का वजन 4.3 किलो है, 380 मीटर की रेंज तक सटीकता संग प्रभावी फायर

एके-203 की खासियत

- एके-203 असॉल्ट राइफल कभी जाम नहीं होती।
- इसका बटस्टॉक फोल्डिंग और एडजस्टेबल है।
- नाटो ग्रेड का 7.62 एमएम का कारतूस इस्तेमाल होता है।
- 400 मीटर की रेंज तक शत-प्रतिशत सटीकता संग प्रभावी फायर
- पिकेटिनी रेल, नाइट विजन सिस्टम से दूर से निशाना लगाना आसान
- राइफल का वजन 3.8 किलो और लंबाई स्टॉक मोड़ने पर 690 मिमी

“रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता मिशन के तहत एके-203 असॉल्ट राइफल के अधिकांश पार्ट्स एसएएफ में बन रहे हैं। हर महीने लगभग पांच हजार राइफलें बन रही हैं। ऑर्डिनेंस फैक्ट्री कोरवा में असेंबलिंग के साथ सेना को सप्लाई शुरू की जा चुकी है।

– **सुरेंद्रपति**, महाप्रबंधक स्माल आर्म्स फैक्ट्री कानपुर